कश्मीर घाटी में भाड़े के विदेशी सैनिक

233. श्री राज बेंडबरुआ : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 29 जून, 1994 के टाइम्स आफ इंडिया में "पाक, अरब वेटिंग इन क्यू जे0 एण्ड के0 मिलीटेन्सी—यू0एस0 रपोर्ट" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि पाकिस्तान तथा अन्य देशों के आतंकवादी संगठन जम्मू और कश्मीर राज्यों में उग्रवादियों को प्रोत्साहित करने में सक्रिय हो गये हैं ;

(ग) यदि हां, तो वे संगठन कौन-कौन से हैं और वे इस समय किन-किन देश प्रमुख रूप से कार्यरत हैं; और

(घ) सरकार ने जून, 1994 तक जम्मू और कश्मीर राज्य में इन संगठनों से संबंधित कितने उग्रवादी पकड़े हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) जी हां, श्रीमन्। 29 जून, 1994 'टाइम्स आफ इण्डिया' में प्रकाशित समाचार की जानकारी सरकार को है ।

(ख) और (ग) पाकिस्तान ने जम्मू एवं कश्मीर राज्य में आतंकवादी गतिविधियों को सहायता एवं समर्थन देना जारी रखा हुआ है। पाकिस्तानी राष्ट्रिक और अफगानिस्तान, सूडान, लेबनान, मिश्र, बहरीन आदि जैसे कुछ अन्य देशों से भाड़े के सैनिकों की घुसपैठ भी पाकिस्तानी आई एस आई की शह पर राज्य में कराई गई है । जम्मू एवं कश्मीर में उग्रवादियों को तथाकथित रूप से समर्थन देने वाले कुछ गिरोहों में हज्ब-ए-इस्लामी (हिकमतयार), हरकत-ल-अंसार, हरकत-उलजेहाद इस्लामी, हिज्ब-एबवहादात सभी अफगानिस्तान में स्थित), इख्वान-उलह मुसलमीन (सूडान स्थित), लजनतबअल द आवा अल इस्लामिया (कुवैत स्थित), अल-गामा अल इस्लामिया (मिश्र स्थित) शामिल हैं ।

(घ) जून, 1994 तक लगभग 200 विदेशी उग्रवादी पकड़े/मारे गए हैं ।

झांसी की रानी के ध्वज की चोरी

234. **श्री दिग्विजय सिंह :**
श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के ध्वज की चोरी होने और उसे भारत से बाहर पहुंचाने के मामले को दबाया जा रहा है ;

(ख) यदि हां, तो यह ध्वज कब, कैसे और कहां से चोरी हुआ था और क्या इसके जांच का काम किसी खुफिया एजेंसी को सौंपा गया था ;

(ग) यदि हां, तो सरकार को ब्यौरा क्या है और क्या उक्त खुफिया एजेंसी ने कोई प्रतिवेदन सरकार को प्रस्तुत किया है ;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसकी जांच करने वाली खुफिया एजेंसी की विश्वसनीयता के बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ; और

(ङ) उक्त ध्वज की चोरी का पर्दाफाश करने और उसे भारत वापस लाने के कार्य को करने वाली खुफिया एजेंसी के कार्यकरण और उसकी कुशलता को सुव्यवस्थित और सुदृढ़ करने के लिये सरकार द्वारा कौन-कौन से कारगर कदम उठाने पर विचार किया जा रहा है और उक्त कदम कब तक उठाये जायेंगे ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०एम० सईद) :

(क) जी नहीं, श्रीमान ।

(ख) से (ङ) झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का झंडा, स्वराज राईफल बटालियन से संबंधित है और इसे बटालियन के संबंधित रइअर ,ष्से इसे बटालियन द्वारा 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान झांसी के किले से, अपने अधिकार में लिया गया था। अक्तूबर, 1977 में 5वां राइफल बटालियन द्वारा इस झंडे को राजपूत राईफल बटालियन रेजीमेन्टल सन्टर (आर. आर. आर. सी.) दिल्ली कैन्ट, नई दिल्ली में भेज दिया गया था, जहां से इसे चुरा लिया/उठा लिया गया। तद्नुसार, सेना द्वारा एक जांच की गयी, लेकिन कोई सुराग एकत्र नहीं किया जा सका और इसलिये मामला जांच-पड़ताल के लिये केन्द्रीय जांच ब्यूरो को सौंपा गया और 6-12-88 को एक मामला प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. आर.सी. 7/88-एस.आई.यू. (XI) दर्ज किया गया।

केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा भारत में और विदेशों में विस्तृत जांच पड़ताल की गयी। चूंकि झंडे के गायब हो जाने के लिये उत्तरदायी, आर.आर.आर. सेन्टर में या बाहर, किसी व्यक्ति की पहचान के लिये सबूत नहीं मिले। इसलिये मामले को बंद कर दिया गया। 11-4-91 को मुख्य मैट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में मामले को बन्द करने की एक रिपोर्ट दायर की गयी थी। मामला विचाराधीन है।

Special drive to round up militants in Kashmir

235. SHRI SUSHIL KUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:
SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI RAJNI RANJAN SAHU:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether any special drive to round up militants in Kashmir and to unearth their hideouts was launched following the Hazratbal embroglio;

(b) if so, the number of militants killed and apprehended as a result thereof the details of hideouts unearthed and the arms and ammunition seized from them eversince then; and

(c) whether a large number of mercenaries of Pakistan from various Muslim countries, such as Iran, Afghanistan and Sudan were found to be actively involved in militancy in the Valley, if so, the details in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAJESH PILOT): (a) Yes Sir.

(b) As a result of anti-militancy operations, a total of 94 hideouts of militants have been unearthed, 921 militants were killed and 2880 were apprehended from 16.11.1993 to 15.7.1994. A large quantity of arms and ammunitions has also been seized which include 1391 AK rifles, 776 Pistols/revolvers. 1555 grenades, 77 UMGs, 1951 detenators, 238 rockets, 84 rocket launchers, 19 Sniper rifles, 494 mines, 103 IODs and other ammunition and explosives.

(c) Foreign mercenaries from various countries including Pak, Afghanistan, Sudan, Bahrain, Egypt, Lebanon, etc. are reported to be actively involved in militant activities in the State of Jammu & Kashmir, but their precise number is not known, which keeps changing depending upon their